

F .Y.B.Com -HINDI (G-1)  
हिंदी साहित्य और भाषा उपयोजन कला

सेमिस्टर - १	विषय कोड नं.सी- ११५०७	कुल व्याख्यान - ६०
--------------	-----------------------	--------------------

**उद्देश्य:**

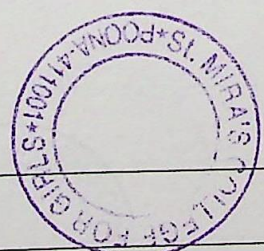
- हिंदी की प्रसिद्ध कहानी लेखिका उषा प्रियंवदा की कहानियों के प्रति और हिंदी कथा साहित्य के प्रति छात्रों के मन में रुचि निर्माण करना ।
- प्राचीन और आधुनिक कवि तथा उनकी रचनाओं से परिचय ।
- प्रयोजनमूलक हिंदी के कुछ महत्वपूर्ण विषयों का परिचय करना ।

<b>युनिट १ कहानी -संग्रह - जिंदगी और गुलाब के फूल - उषा प्रियंवदा</b>	<b>व्याख्यान १५</b>
<ul style="list-style-type: none"> <li>• कहानी का संक्षेप में इतिहास</li> <li>• २-३ कहानियों का अध्ययन - अनुशीलन</li> </ul> <p style="text-align: center;">१) पैराम्बुलेटर , मोहबंध ,छुट्टी का दिन ,जालें</p>	

<b>युनिट २ पद्य संकलन - काव्य - वाटिका - संपा - दशरथ ओझा ।</b>	<b>व्याख्यान १५</b>
<ul style="list-style-type: none"> <li>• काव्य विधा का संक्षेप में इतिहास</li> <li>• १ से ३ कविताओं का अध्ययन - अनुशीलन</li> </ul>	

<b>युनिट ३ पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम</b>	<b>व्याख्यान ०८</b>
<ul style="list-style-type: none"> <li>• शुद्ध - लेखन परिचय , वर्तनी परिचय</li> <li>• विविध नाते - रिश्तों के लिए हिंदी शब्द ।</li> <li>• शब्दसमूह के लिए एक शब्द</li> <li>• बेंको से संबंधित पारिभाषिक शब्द</li> </ul>	

<b>युनिट ४</b>	<b>व्याख्यान १०</b>
<ul style="list-style-type: none"> <li>• विज्ञापन - उद्देश्य और प्रकारों से परिचय ।</li> </ul>	



R. S. Singh  
21/4/15
S. K. Singh  
22/4/2015
S. K. Singh  
22/4/15
S. K. Singh  
21/4/15

पाठ्य पुस्तके :-

१. उषा प्रियंवदा , (१९७५) जिदंगी और गुलाब के फूल , चौथा संस्करण , भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन , दिल्ली ।
२. संपा .ओझा दशरथ (२००१) काव्य - वाटिका , प्रथम संस्करण राजपाल एण्ड सन्स दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :-

१. डॉ.श्रीमती उमेश माथुर (१९६९) आधुनिक युग की हिंदी लेखिकाएँ प्रथम संस्करण , ऋषभचरणजैन एण्ड सन्स प्रकाशन दिल्ली ।
२. डॉ. इंद्रनाथ मदान (१९७८) हिंदी कहानी , एक नई दृष्टी , प्रथम संस्करण , संभावना प्रकाशन दिल्ली ।
३. संपा.त्रिवेदी जयेंद्र (१९८८) हिंदी रूपरचना , तृतीय संस्करण , लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद ।
४. सिंहल ओमप्रकाश तिलकराज बडेहारा (१९८५) व्यावहारिक हिंदी , चतुर्थ संस्करण , पीतांबर पब्लिकेशन , दिल्ली ।
५. त्रिपाठी रमेशचंद्र , अग्रवाल पवन (२००३) मिडिया - लेखन द्वितीय संस्करण , भारत प्रकाशन , लखनौ ।

पक्ष- J. S. Singh  
21/4/15

वा. सु. कर्ण  
21/4/15

S. P. Singh  
22/4/15

S. P. Singh  
22/4/15

S. P. Singh  
21/4/15



F .Y.B.Com -HINDI (G-1)  
हिंदी साहित्य और भाषा उपयोजन कला

सेमिस्टर - २	विषय कोड नं.सी- २१५०७	कुल व्याख्यान - ६०
--------------	-----------------------	--------------------

उद्देश्य:

- हिंदी की प्रसिद्ध कहानी लेखिका उषा प्रियंवदा की कहानियों के प्रति और हिंदी कथा साहित्य के प्रति छात्रों के मन में रुचि निर्माण करना ।
- प्रयोजनमूलक हिंदी के कुछ विशिष्ट विषयों का अध्ययन करना ।
- प्राचीन और आधुनिक कवि तथा उनकी रचनाओं से परिचय ।

युनिट १ कहानी -संग्रह - जिंदगी और गुलाब के फूल - उषा प्रियंवदा व्याख्यान १५

- शेष कहानियों का अध्ययन
- प्रश्नचर्चा

युनिट २ पद्य संकलन - काव्य - वाटिका - संपा - दशरथ ओझा । व्याख्यान १५

- शेष कविताओं का अध्ययन - अनुशीलन ।

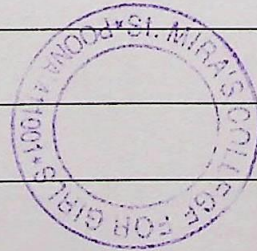
कक्ष  
अभि  
रिनि

युनिट ३ पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम व्याख्यान १०

- बैंक संबंधी पत्र - व्यवहार  
( बचत खाता खोलने के लिए आवेदन , चेकबुक माँगने हेतु आवेदन ,  
चेक बुक खो जाने संबंधी , ओवर ड्राफ्टसंबंधी , तथा चेक का  
भुगतान रोकने संबंधी आवेदन)

युनिट ४ व्याख्यान ०८

- विज्ञापन - प्रायोगिक
- रेलसंबंधी पारिभाषिक शब्द



21/4/15

21/4/15

22/4/2015

22/4/15

21/4/15

पाठ्य पुस्तके :-

१. उषा प्रियंवदा , (१९७७) जिदंगी और गुलाब के फूल , चौथा संस्करण , भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन , दिल्ली ।
२. संपा .ओझा दशरथ (२००१) काव्य - वाटिका , प्रथम संस्करण राजपाल एण्ड सन्स दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :-

१. डॉ. रघुवीर सिन्हा ( १९७७) आधुनिक हिंदी कहानी – समाजशास्त्रीय दृष्टि प्रथम संस्करण अक्षर प्रकाशन प्रा. लि .दिल्ली
२. ज्ञान अस्थाना ( १९८१) हिंदी कथा साहित्य समकालीन संदर्भ , प्रथम संस्करण जवाहर पुस्तकालय प्रकाशन , मथुरा ।
३. डॉ. केशवदत्त रुवाली (१९९२) मानक हिंदी ज्ञान, प्रथम संस्करण श्री. अल्मोडा बुक डेपो प्रकाशन , अल्मोडा
४. डॉ. महेंद्र मित्तल (-) व्यावहारिक हिंदी प्रथम संस्करण , शबरी संस्थान प्रकाशन , दिल्ली

Dr. S. S. Shekhar  
21/4/15

रुवाली  
21/4/15

Dr. P. Singh  
22/4/2015

Dr. S. S. Shekhar  
21/4/15

Dr. S. S. Shekhar  
22/4/15

